



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

HL
29/12/88

सं. 631] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 6, 1988/अग्रहायन 15, 1910

No. 631] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 6, 1988/AGRAHAYANA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

राष्ट्रपति भवन

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1988

का. प्रा. 1138(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 371(च) के खंड (ड)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा, इसके उद्देश्य अनुसूची में
विवरित अधिनियमिति का, निम्नलिखित उपांतरणों के अधीन रहते हुए, सिक्किम राज्य
पर विस्तार करते हैं, अर्थात्:—

- (1) उक्त अधिनियमिति में कि जो ऐसी विधि, जो सिक्किम राज्य में प्रवृत्त नहीं है या
कि जो ऐसे कृत्यकारी जो इस राज्य में विद्यमान नहीं है, के प्रति निर्देश का

यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस राज्य में प्रवृत्त तत्स्थानों विधि या विद्यमान तत्स्थानों कृत्यकारी के प्रति निर्देश है :

परन्तु यह कि यदि यह प्रश्न उठता है कि ऐसा तत्स्थानों कृत्यकारी कौन है, या यदि कोई ऐसा तत्स्थानों कृत्यकारी नहीं है, तो केन्द्रीय सरकार यह विनियमन करेगी कि ऐसा कृत्यकारी कौन होगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

- (2) प्रत्येक ऐसी अधिनियमिति के प्रारंभ के लिए उसका सुसंगत उपबंध, यदि कई है, में किताबों के होते हुए भी, ऐसी अधिनियमिति के उपबंध सिक्किम राज्य में ऐसा तारोख को प्रवृत्त होंगे, जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे :

परन्तु यह कि किताब अधिनियमिति के विभिन्न उपबंधों के लिए और सिक्किम राज्य में विभिन्न क्षेत्रों के लिए भिन्न-भिन्न तारोखें नियत की जा सकेंगी और अधिनियमन के प्रारंभ में के बारे में किताब ऐसे उपबंध में किताब विवेक का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस उपबंध के उस क्षेत्र में, जहां उसे प्रवृत्त किया गया है, प्रवृत्त करने के प्रति निर्देश है।

अनुसूची

वर्ष	सं.	संक्षिप्त नाम	उत्तरण
1	2	3	4
1927	16	भारतीय वन अधिनियम, 1927	—

धर. बेंकटरामन्, राष्ट्रपति
[फा. सं. 11013/2/88-एन ई-III]

PRESIDENT HOUSE NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 1988

5.0.1138(E):—In exercise of the powers conferred by clause (n) of article 371F of the Constitution, the President hereby extends to the State of Sikkim the enactment specified in the Schedule and subject to the modifications, if any, specified in that Schedule and the following further modifications, namely:—

- (1) Any reference in the said enactment to a law not in force, or to a functionary not in existence, in the State of Sikkim, shall be construed as a reference to the corresponding law in force, or to the corresponding functionary in existence, in that State;

Provided that if any question arises as to who such corresponding functionary is or if there is no such corresponding functionary, the Central Government shall decide as to who such functionary will be and the decision of the Central Government shall be final.

4 (2) Notwithstanding anything contained in the relevant provision, if any, of such enactment for the commencement thereof, the provisions of such enactment shall come into force in the State of Sikkim on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint;

Provided that different dates may be appointed for different provisions of the enactment and for different areas in the State of Sikkim and any reference in any such provision to the commencement of the Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision in the area where it has been brought into force.

SCHEDULE

Year	No.	Short Title	Modification
(1)	(2)	(3)	(4)
1927	16	Indian Forest Act, 1927	—

R. VENKATARAMAN, President
[F.No.11013/2/88— NE-III]

